__/__/____

Tender Heart High School, Sector 33-B, Chandigarh

Date - Class - V
Subject - Hindi Literature Page-1
Subject Teacher- Ms. Roma Rani

पुस्तक - नवतरंग - 5
पाठ - 4 सूर्यग्रहण (कविता)

सुप्रभात प्यारे बच्चो!

यह पाठ - 4 'सूर्यग्रहण' कक्षा पाँचवी के हिन्दी साहित्य का है। बच्चो! पिछले सप्ताह आपको कविता का कुछ अंश भेजा गया था। आशा है कि आपने उसे अच्छे से समझ लिया होगा। इस सप्ताह आपको कविता का अगला भाग भेजा जाएगा।

इसी नियम से बँधी धरा है,
सूरज के चक्कर करती है।
अपने उपग्रह चंद्र देव को,
साथ लिए घूमा करती है।

बच्चो! इन पंक्तियों में कवि प्रकृति के नियमों के बारे में आगे बताते हुए कहते हैं कि जिस तरह सूर्य के बाकी ग्रह चक्कर लगाते हैं अथवा चारों तरफ घूमते हैं उसी तरह ऐसे ही नियमों के साथ हमारी पृथ्वी भी बँधी हुई है, वह भी सूर्य के इर्द - गिर्द घूमती ही है साथ ही साथ अपने उपग्रह को भी साथ लेकर घूमती है। चंद्रमा धरती का उपग्रह है वह पृथ्वी के चक्कर भी लगाता है और पृथ्वी की ही परिक्रमा करते हुए सूर्य का घेरा भी काट लेता है।

Date- Class- V
Subject- Hindi Literature Page- 2
Subject Teacher- Ms. Roma Rani

चंद्रदेव भी धरती माँ के,
लगातार घेरे करते हैं।
धरती अपने पथ चलती है,
वे भी साथ चला करते हैं।

बच्चो! कवि कहते हैं कि चंद्रमा धरती के लगातार चक्कर काटते रहते हैं अर्थात चारो तरफ घूमते रहते हैं। धरती तो अपने ही मार्ग पर घूमती रहती है और चंद्रमा भी धरती के साथ - साथ चलते रहते हैं अथवा धरती की परिक्रमा करते हुए घूमते रहते हैं अर्थात धरती हो या चंद्रमा, सभी ग्रह उपग्रह प्रकृति के नियमों के साथ बँधे हुए हैं।

इसी दौड़ में जब भी चंदा,
बीच धरा सूरज के आता।
चंदा की छाया से सूरज,
हमको ढका हुआ दिख पाता।

बच्चो! कविता की इन पंक्तियों में कवि बता रहे हैं कि इसी परिक्रमा की दौड़ लगाते हुए जब कभी चंद्रमा धरती और सूर्य के बीच आ जाता है तो चाँद की परछाई से सूर्य ढक जाता है। कभी - कभी ये परछाई आधी ही सूर्य पर पड़ती है, तब अर्द्ध सूर्यग्रहण होता है या कह सकते हैं कि आधा सूर्यग्रहण है लेकिन जब पूरी तरह से चंद्रमा की छाया सूर्य को ढक लेती है तो पूर्ण सूर्यग्रहण होता है।

Date-   Class- V
Subject - Hindi Literature   Page-3
Subject Teacher- Ms. Roma Rani

सूरज पर चंदा की छाया,
ही कहलाती सूर्यग्रहण है।
ज़रा ठीक से समझोगे तो,
इसे जानना कठिन नहीं है।

कविता की इन पंक्तियों में कवि बता रहे हैं कि जिसे हम सूर्यग्रहण कहते हैं असल में वो चंद्रमा की परछाई ही हमें दिखाई देती है, जो सूर्यग्रहण के नाम से जानी जाती है। जैसे हर चीज की छाया होती है उसी प्रकार चाँद की भी अपनी छाया है। अगर हम इन भेदों को ध्यान से समझने की कोशिश करेंगे तो यह अवश्य हमारी समझ में आ जाएंगे, इन्हें समझना कोई कठिन कार्य नहीं है।

गृहकार्य :-

- इस पाठ के शब्द-अर्थ याद करें।
- इस पाठ के पृष्ठ -29 पर आए संक्षेप में के प्रश्न करने की कोशिश करें।

धन्यवाद !

Last page